

- वर्ष 2010 के बाद जब चीन ने जापान, अमेरिका और यूरोप की रेयर अर्थ्स शपिमेंट पर रोक लगा दी तो एशिया, अफ्रीका व लैटिन अमेरिका में छोटी इकाइयों के साथ-साथ ऑस्ट्रेलिया एवं अमेरिका में उत्पादन इकाइयाँ शुरू की गईं।
- फरि भी संसाधति दुर्लभ मृदा धातुओं का प्रमुख हसिसा चीन के पास है।

दुर्लभ मृदा धातुओं के लयि भारत की वर्तमान नीति:

- भारत में अन्वेषण का कार्य खान ब्यूरो और परमाणु ऊर्जा वभिग द्वारा कयि जाता है। खनन और प्रसंस्करण बीते समय में कुछ छोटी नजि कम्पनयिों द्वारा कयि गया है, लेकिन वर्तमान में यह इंडयिन रेअर अर्थ्स लमिटेड (Indian Rare Earths Limited- IREL) के अंतर्गत है।
- भारत ने IREL जैसे सरकारी नगिमें को प्राथमकि खनजिों पर एकाधिकार प्रदान कयि है जसिमें शामिल REE हैं: तटीय राज्यों में पाए जाने वाले मोनाज़ाइट।
- इंडयिन रेयर अर्थ लमिटेड (IREL) दुर्लभ मृदा ऑक्साइड (कम लागत, कम-प्रतफिल वाली अपस्ट्रीम प्रक्रयिाएँ) का उत्पादन करती है, इन्हें उन वदिशी फर्मों को बेचती है, जो धातुओं को नकिलते हैं और अंतमि उत्पादों (उच्च लागत, उच्च-प्रतफिल वाली डाउनस्ट्रीम प्रक्रयिाएँ) का नरिमाण करते हैं।
- IREL का फोकस मोनाज़ाइट से नकिले गए थोरयिम को परमाणु ऊर्जा वभिग को उपलब्ध कराना है।

संबंधति पहल:

- वैश्वकि स्तर पर:
 - बहुपक्षीय खनजि सुरक्षा साझेदारी (Multilateral Minerals Security Partnership- MSP) की घोषणा जून 2022 में की गई थी, जसिका लक्ष्य जलवायु उद्देश्यों के लयि आवश्यक महत्त्वपूर्ण खनजिों की आपूर्ति शृंखलाओं का नरिमाण करने हेतु देशों को एक साथ लाना था।
 - इस साझेदारी में संयुक्त राज्य अमेरिका (United States), कनाडा, ऑस्ट्रेलिया, कोरयिा गणराज्य, जापान और वभिनिन यूरोपीय देश शामिल हैं।
 - भारत साझेदारी में शामिल नहीं है।
- भारत द्वारा:
 - खान मंत्रालय ने खान और खनजि (वकिस और वनियिमन) (Mines and Minerals, Development and Regulation- MDMR) अधनियिम, 1957 में खान और खनजि (वकिस और वनियिमन) संशोधन अधनियिम, 2021 के माध्यम से खनजि उत्पादन को बढ़ावा देने, देश में व्यापार करने में आसानी में सुधार लाने और सकल घरेलू उत्पाद (Gross Domestic Product- GDP) में खनजि उत्पादन का योगदान बढ़ाने के लयि संशोधन कयि है।
 - संशोधन अधनियिम में प्रावधान है कि कसि भी खदान को वशिष उपयोग के लयि आरक्षति नहीं कयि जाएगा।

आगे की राह

- भारत को अन्य उन्नत अर्थव्यवस्थाओं से सबक लेना चाहयि कवे अपनी खनजि ज़रूरतों को कैसे सुरक्षति करने की योजना बना रहे हैं और महत्त्वपूर्ण खनजि आपूर्ति शृंखलाओं को सुनशिचति करने के लयि बहुराष्ट्रीय कम्पनयिों में शामिल होने का प्रयास कर रहे हैं या इस तरह के संवादों को बढ़ावा देने के लयि कवाड और बमिसटेक जैसे मौजूदा साझेदारी का उपयोग कर रहे हैं।
 - हरति प्रौद्योगकियिों के नरिमाण की लंबवत एकीकृत आपूर्ति शृंखला कैसे बनाई जाए, इस पर रणनीति बनाने के लयि सरकार शीर्ष-स्तरीय नरिणय लेने की भी आवश्यकता है अन्यथा हम अपने जलवायु परिवर्तन शमन लक्ष्यों से चूक सकते हैं।
- भारत को एक नया दुर्लभ मृदा वभिग (DRE) बनाने की ज़रूरत है जो इस क्षेत्र में व्यवसायों के लयि एक नयिमक और सहायक की भूमकि नभिए।

यूपीएससी सविलि सेवा परीक्षा, वगित वर्ष के प्रश्न (पीवाईक्यू)

प्रश्न. हाल में तत्त्वों के एक वर्ग, जसि 'दुर्लभ मृदा धातु' कहते हैं, की कम आपूर्तिपर चति जताई गई। कयों? (2012)

1. चीन, जो इन तत्त्वों का सबसे बड़ा उत्पादक है, द्वारा इनके नरियात पर कुछ प्रतबिध लगा दयिा गया है।
2. चीन, ऑस्ट्रेलिया कनाडा और चलिी को छोड़कर अन्य कसि भी देश में ये तत्त्व नहीं पाए जाते हैं।
3. दुर्लभ मृदा धातु वभिनिन प्रकार के इलेक्ट्रॉनकि सामानों के नरिमाण में आवश्यक है, इन तत्त्वों की माँग बढ़ती जा रही है।

उपर्युक्त में से कौन-सा/से कथन सही है/हैं?

- (a) केवल 1
- (b) केवल 2 और 3

- (c) केवल 1 और 3
(d) 1, 2 और 3

उत्तर: (c)

स्रोत: द द्रिष्टि

PDF Reference URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/rare-earth-metals-2>

